Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

E-mail: krantisamay@gmail.com

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 40, सोमवार, 05 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

उन्नाव में आमने-सामने भिड़ीं दो बाइक, युवक की मौत

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव स्थित जीआरो पेट्रोल पंप के समीप शनिवार की शाम दो बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। साथी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायल का इलाज नवाबगंज सीएचसी पर चल रहा है। अजगैन थाना क्षेत्र के अमरेठा गांव में रहने वाले बसंत 40 पुत्र स्व. छोटा लोध गांव में ही मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। होली मिलने के लिए शनिवार को अपने साथी अरविन्द पुत्र राधे के साथ बाइक से सदर कोतवाली क्षेत्र के रामबख्शखेड़ा में रहने वाले रिश्तेदार के घर आया था। देर शाम वापस घर लौट रहा था। इसी बीच अजगैन थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव स्थित जीआरो पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से आ रही दूसरे बाइक सवार से भिड़ंत हो गई। हादसे में बसंत व अरविन्द गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने एम्बुलेंस से नवाबगंज सीएचसी पर भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद बसंत की हालत नाजुक देख डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल भेजा। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। परिजन घायल बसंत को लेकर लखनऊ जा ही रहे थे। इसी बीच रास्ते में बसंत ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने पुलिस को मामले से अवगत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायल अरविन्द का अभी नवाबगंज सीएचसी पर इलाज चल रहा है और हालत नाजुक बताई जा रही है।

बसंत परिवार का था एकलौता बेटा मौत की खबर मिलने पर

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे चचेरे भाई कुलदीप ने बताया कि मृतक अपने परिवार का एकलौता था। चार साल पहले पिता की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। मृतक अपने पीछे पत्नी गोमती व मां गंगाजली के अलावा एक बेटी सुधा 12, और चार बेटों में सन्नी, रौनक, बड्डके व छोट्टके को छोड़ गया है।

बजट तैयारियों में अफसरों का रोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव के साथ हाथापाई के बाद सभी स्तर के अधिकारियों का शनिवार को भी विरोध जारी रहा। लगातार विरोध के कारण दिल्ली सरकार द्वारा बजट को अंतिम रूप देने में बाधा होना संभव है। ज्यादातर विभागों के बजट को विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रेजेंटेशन देकर अंतिम रूप दिया जाना है जिसमें करीब सात हजार करोड़ का स्वास्थ्य बजट भी शामिल है। सरकार ग्रीन बजट बनाना चाहती है जिसके लिए पांच विभागों से अलग-अलग विशेष तैयारी के साथ चर्चा करनी होगी। सरकार ने 16 मार्च से 28 मार्च तक बजट सत्र आयोजित करने की घोषणा की है जिसकी तिथि नजदीक आने से दिल्ली सरकार की परेशानी बढ़ सकती है।कई कार्यालयों में अफसरों ने शनिवार दोपहर 1.30 बजे विरोध स्वरूप पांच मिनट के मौन रखा। अब सोमवार को कार्यालय खुलने के बाद आईएएस एसोसिएशन सहित कुल 22 यूनियन के संयुक्त फोरम द्वारा आगे की रणनीति बनाई जाएगी। संयुक्त फोरम के अध्यक्ष डीएन सिंह की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से शुक्रवार को मुलाकात के बाद अधिकारियों के प्रयास में कमी दिखी थी लेकिन सरकार के मंत्री के विरूद्ध जारी विरोध ने फिर कड़ा रूख अपना लिया है।

दिल्ली में परिवहन सेवा संबंधी भुगतान के लिए डेबिट कार्ड स्वीकार्य

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने अपनी सेवाओं से संबंधित सभी ऑनलाइन भुगतान में डेबिट कार्ड के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है । मोटर लाइसेंस प्रदान करने वाले चार कार्यालय (एमएलओ) आगे से पूरी तरह ऑनलाइन होंगे। परिवहन आयुक्त वष जोशी ने बताया कि सात मार्च से पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। अधिकारी ने एक ट्वीट में कहा, ''''सबको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब परिवहन विभाग के कार्यालयों में सभी ऑनलाइन भुगतान में डेबिट कार्ड स्वीकार्य होगा। ऑनलाइन बनाने के लिए वित्त विभाग / आरबीआई / एसबीआई के साथ समन्वय की लगातार हमारी कोशिश से यह मुमकिन हो पाया।''उन्होंने बताया कि चार एमएलओ कार्यालय - जनकपुरी, वसंत विहार, माल रोड और आईपी इस्टेट सात मार्च से पूरी तरह ऑनलाइन होगा। उन्होंने कहा, ''''सभी आवेदन और शुल्क ऑनलाइन स्वीकार्य किये जाएंगे और आगे सूचना एसएमएस पर दी जाएगी।''

»» छोड़ा सुसाइड नोट

कन्नौज में प्रताड़ना से क्षुब्ध छात्रा ने की खुदकुशी,

कन्नौज। गुरसहायगंज कोतवाली के इंदुआगंज गांव में हाईस्कूल की परीक्षा दे चुकी एक छात्रा ने संदिग्ध हालत में खुदकुशी कर ली। उसका शव उसके कमरे में फांसी से लटका मिला। शव को देख कर परिजनों में कोहराम मच गया। शव के पास से ही एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पड़ोस के एक परिवार पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है। छात्रा के पिता ने सुसाइड नोट में शामिल पांच लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस के पहुंचने से पहले सभी पांचों आरोपी अपने घर से फरार हो गए हैं। पुलिस सभी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। बताया जा रहा है के इंदुआगंज निवासी राजेश प्रजापति की 16 वर्षीय पुत्री काजल ने इसी साल हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। परिजनों के मुताबिक पड़ोस में रहने वाली राकेश की विधवा सोनी उसे शनिवार को अपने घर बुला ले गई थी। परिजनों को बताया था के होली का सामान बनाना है। बताया जा रहा है के वो वहां से शाम में वापस आयी और रात में अपने कमरे में फांसी लगा ली। उसके इस कदम की किसी को भनक भी नहीं लगी। परिजनों ने जब उसके कमरे में देखा तो वो फांसी से लटकी मिली। इससे वहां हड़कम्प मच गया। बताया गया है उसके शव के पास ही एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें काजल ने सोनी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साथ में सोनी के रिश्तेदार बताए जा रहे राजन और उसकी पत्नी पर पीटने का आरोप लगाया है। उसने नोट में कई जगह पर ज़िक्र किया है के राजन और उसकी पत्नी को सज़ा दिलवाया जाए। चिट्ठी में ही उसने सख्त कार्रवाई करवाने की मांग की है। उधर खुदकुशी की खबर पर पहुंची पुलिस ने शव को क़ब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल का कहना है के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीएनबी घोटाला : मारीशस घोटाले के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेगा

मारीशस। पीएनबी धोखाधड़ी मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए मारीशस की सरकार ने ऐसी किसी मामले में संलिप्त पाये जाने वाली सभी इकाइयों के खिलाफ आवश्यक नियामकीय कार्रवाई करने का वादा किया है। मारीशस के फिनांशल सर्विसेज कमीशन (एफएससी) ने एक बयान में कहा है कि पंजाब नेशनल बैंक, नीरव मोदी व मेहुल चौकसी के संबंध में कथित धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर मीडिया रिपोर्टों का स्वत: संज्ञान लिया है। इसने कहा है, 'एफएससी संबंधित सूचनाओं का आकलन कर रहा है और बैंक आफ मारीशस, मारीशस रेवन्यू अथारिटी तथा वित्तीय आसूचना इकाई के साथ मिलकर इस मामले पर करीबी निगाह रखे हुए है। इसके साथ ही एफएससी अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ भी संवाद में है।

मधुबाला का था दीवाना

हाजी मस्तान बिना बंदूक उठाए बना था मुंबई का पहला डॉन,

मधुबाला का था दीवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। तस्कर हाजी मस्तान ने बिना कोई बंदूक उठाए या कत्ल किए मुंबई के पहले डॉन बनने का रुतबा हासिल किया था। इसके लिए वह दूसरे गैंगस्टर का सहारा लिया करता था। देश के सबसे बड़े माफिया होने के बाद भी लोगों के दिलों में हाजी मस्तान के लिए काफी इज्जत भरी हुई थी। बंबई अंडरवर्ल्ड में मस्तान के शख्सियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि डॉन दाऊद इब्राहिम ने भी उसी से वसूली और तस्करी का कहकहरा पढ़ा था। हाजी मस्तान की 3 बेटी और एक गोद लिया बेटा भी है। वह बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मधुबाला के दीवाने थे। आइए हाजी मस्तान की जिंदगी से जुड़े ऐसे ही रोचक पहलुओं के बारे में जानते हैं।

बेहद गरीब परिवार से था मस्तान

1 मार्च, 1926 में तमिलनाडु के पनईकुलम के एक बेहद गरीब परिवार में जन्मा मस्तान कभी देश की चर्चित हस्तियों में शुमार होगा ऐसा किसी ने सोचा नहीं था। मस्तान हैदर मिर्जा का पूरा नाम आकिब हुसैन था, जिसे बाद में हज यात्रा करने के बाद हाजी मस्तान के नाम से पहचाने जाना लगा। मुंबई के 'क्राफ़ोर्ड मार्केट' में वह अपने पिता के साथ साइकिल मैकैनिक का काम करने लगा। अपने इसी ख्वाब को पूरा करने के लिए 18 साल के मस्तान ने 1944 में साइकिल का काम छोड़कर 'बंबई डॉक' बंदरगाह पर कुली का काम करने का फैसला किया।

बॉलीवुड से था गहरा रिश्ता

अरब शेख़ मोहम्मद अल ग़ालिब से मुलाकात के बाद बदली किस्मत इसी बंदरगाह में उठ रहीं समंदर की लहरें उसके लिए बेशुमार दौलत कमाने का जरिया बन गई। तस्करी करने वाले अरब शेख़ मोहम्मद अल ग़ालिब से मुलाकात के बाद जो सिलसिला घड़ियों और ट्रांजिस्टर की तस्करी से शुरू हुआ, वो सोने की तस्करी तक जा पहुंचा। मुंबई में मस्तान का सिक्का चला। पुलिस ने एक होटल में मेहमान की तरह रखकर सेवा की। इसके बाद मस्तान ने बंबई में 9 मई 1994 को 68 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने की वजह से दुनिया को अलविदा कहा।

मुसलमानों की मदद के लिए बनाई पार्टी

मस्तान ने अपने आखिरी वक्त में दीन और जकात के भी काम किए। जयप्रकाश नारायण से मुलाकात के बाद उसने गरीब मुसलमानों की मदद के लिए 1985 में दलित मुसलमान सुरक्षा महासंघ नाम की पार्टी बनाकर भारतीय राजनीति में कदम रखा।

बॉलीवुड से रहा है गहरा रिश्ता

हाजी मस्तान के बॉलीवुड स्टार्स से गहरे रिश्ते रहे हैं। जिनमें राज कपूर, दिलीप कुमार और संजीव कुमार जैसे बड़े स्टार्स का नाम शामिल रहा है। हाजी मस्तान के ऊपर अमिताभ बच्चन की 'दीवार', अजय देवगन की 'वन्स अपोन ए टाइम इन मुंबई' जैसी फिल्में बनी हैं।

हाल ही में चर्चा में फिर था हाजी मस्तान का नाम

हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत के हाजी मस्तान के ऊपर फिल्म बनाने की खबर आई थी। जिसके बाद मस्तान के गोद लिए बेटे ने सुपरस्टार रजनीकांत को पत्र भेजकर धमकी दी थी कि डॉन हाजी मस्तान को किसी अपराधी की तरह न पेश किया जाए।

»» दिल्ली सरकार करेगी बजट में 57 करोड़ रपए का प्रावधान

जल्द बढ़ेगा आशा वर्करों का वेतन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार राजधानी के दस हजार आशा वर्करों का मासिक वेतन पांच हजार रपए से बढ़ाकर दस हजार पांच सौ रपए करेगी। राजधानी के दूरदराज इलाकों, गरीब बस्ती व स्लम क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं का बड़ा नेटवर्क है जो स्थानीय स्तर पर गरीब लोगों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाते हैं। वेतन बढ़ोतरी करने के लिए मसौदा तैयार किया गया है। इसे जल्द लागू किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार दस हजार आशा वर्कर को नए वित्त वर्ष 2018-19 से बढ़ा हुआ वेतन मिलना संभव हो सकेगा। इसके लिए बजट में ज्यादा धन का आवंटन करना होगा। वर्ष 2018-19 के बजट में आशा कर्मचारियों के वेतन मद में 57 करोड़ रपए का आवंटन किया जाएगा ताकि कर्मचारियों को बढ़ी हुई वेतन राशि मिल सके। एक्रेडिटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट (आशा) योजना दिल्ली सरकार ने 2007 में शुरू की थी। प्रत्येक 400 परिवार तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए एक आशा वर्कर रखा जाता है। यह योजना केन्द्र सरकार ने शुरू की थी लेकिन दिल्ली पहला राज्य बना जहां शहरी गरीबों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए बड़े स्तर पर आशा वर्कर रखे गए। इस व्यवस्था के पीछे शहर के कमजोर तबके तक स्वास्थ्य सेवा को पहुंचाना है। किसी इलाके में हैजा या अन्य बीमारी फैलने पर सरकार द्वारा मुफ्त में ओआरएस पैकेट वितरण, महिला के लिए मुफ्त आयरन युक्त टैबलेट वितरण जैसे कायरे में आशा कार्यकर्ता का रोल अहम होता है क्योंकि सरकार द्वारा भेजी गई मुफ्त दवा का पूरा स्टाक उन्हें ही रखना पड़ता है।

आशा वर्कर को मिलेगी किट :

अब दिल्ली सरकार आशा वर्कर को बेहतर वेतन देना चाहती है व उनका कार्यभार बढ़ाना चाहती है। अब उन्हें ब्लड प्रेशर मापक यंत्र, ग्लूकोमीटर व वजन नापने का यंत्र भी रखना होगा। उन्हें यंत्र रखने के लिए किट भी दी जाएगी।

साफ्टवेयर सुविधा से लैश करेंगे आशा वर्कर को अरविंद केजरीवाल ग्रामीण इलाकों में गरीबों को मिलती है स्वास्थ्य सहायता आशा वर्कर से

आईटी सुविधा भी मिलेगी आशा वर्कर को :

आईटी (इंफारमेशन टेक्नोलाजी) की जानकारी रखने वाले आशा वर्कर को साफ्टवेयर व इंटरनेट की सुविधा दी जाएगी ताकि उनका प्रदर्शन बेहतर हो सके। साथ ही आशा कर्मचारी के कार्यक्षेत्र को विस्तारित किया जाएगा। आईटी सुविधा मिलने से ग्रामीण स्तर पर इनके कार्य क्षेत्र से जानकारी उच्च स्तरीय अधिकारियों तक पहुंचेगी।

कांग्रेस ने स्मृति ईरानी के कामकाज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री स्मृति ईरानी के कामकाज के तौर-तरीकों पर सवाल उठाते हुए आज आरोप लगाया कि उनकी '' सनक' का खामियाजा दूरदर्शन और आकाशवाणी के कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने ट्विटर पर मंत्री से आठ सवाल पूछे हैं और कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन पर मौन क्यों हैं। उन्होंने भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों का व्यापक पैमाने पर तबादला किये जाने,गोवा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के प्रसारण का काम दूरदर्शन के बजाय एक निजी कंपनी को दिये जाने तथा दूरदर्शन और आकाशवाणी के कर्मचारियों का वेतन रोके जाने पर सवाल खड़े किये है। उन्होंने कहा कि मंत्री इन कर्मचारियों का वेतन रोक कर उन्हें किस बात की सजा दे रही हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा है कि फिल्म समारोह का प्रसारण निजी कंपनी को क्यों दिया गया और इसके लिए प्रसार भारती को उस कंपनी को 2.92 करोड़ रूपये की अदायगी क्यों की जानी चाहिए। उन्होंने पूछा कि मंत्री ने दो माह में आईआईएस समूह''ए' के 500 में से 140 अधिकारियों और आईआईएस एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिंद्य सेनगुप्ता का तबादला क्या उन्हें दंडित करने के लिए किया है। सुरजेवाला ने यह भी पूछा है कि श्रीमती ईरानी को संपादकीय के दो पदों पर पत्रकारों को ज्यादा वेतन पर रखने के लिए प्रसार भारती पर क्यों दबाव बनाना चाहिए जबकि संस्था उन्हें इतनी राशि देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि इन दो पत्रकारों में से एक उनका गैर अधिकारिक मीडिया सलाहकार है।

»» नेहरू स्टेडियम का मेट्रो स्टेशन बंद रहा

सीबीआई जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स के पास छात्रों की ओर से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो ने शनिवार को लोगों के लिए जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया। जेएलएन स्टेडियम स्टेशन व्यस्त रहने वाली वायलेट लाइन पर है। यह लाइन कश्मीरी गेट स्टेशन को एस्कॉर्ट मुजेसर स्टेशन से जोड़ती है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस स्टेशन को दिल्ली पुलिस की सलाह पर शनिवार सुबह नौ बजे बंद किया गया। उन्होंने कहा कि अगले आदेश तक यह स्टेशन बंद रखा जाएगा। पुलिस ने कहा कि स्टेशन भवन के पास बडी संख्या में छात्रों के इकट्ठा होने के बाद होने वाली परेशानी पैदा होने से रोकने के लिए स्टेशन को लोगों के लिए बंद कर दिया गया। देश भर से छात्र सीजीओ कॉम्प्लेक्स के बाहर इकट्ठा हुए हैं, जहां कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) का मुख्यालय है।

एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल आयोग के चेयरमैन से मिला

नई दिल्ली। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर छात्र दिल्ली में पिछले पांच दिनों से आंदोलन कर रहे है, लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकल रहा है। लिहाजा इस मामले को लेकर शनिवार को छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एसबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसएससी के चेयरमैन अशीम खुराना से मुलाकात की और इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की और जल्द ही समस्या का हल निकलने की बात की।

एबीवीपी के प्रदेश मंत्री भरत खटाना ने कहा की इस मामले की ठीक से जांच हो और साथ ही कुछ कोचिंग संस्थाओ की भी जांच करने की मांग की जो इस मामले में शामिल है। ऐसा भी लग रहा है की कुछ कोचिंग सेंटर और एसएससी के कुछ लोग मिलकर ये काम पहले से करते आ रहे है। यह भी पता चलता है की एसएससी के पूर्व चेयरमैन इन संस्थाओ में चेयरमैन रहते समय आना जाना करते थे और आज भी उनके एक कोचिंग सेंटर के साथ काम करने का भी संदेह है।

इन संबंधो से पता चलता है की कुछ तो गड़बड़ है इसलिए इसकी सीबीआई जांच करें अन्यथा एबीवीपी सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन करेगी। एबीवीपी छात्रों की इन जायज मांगो के साथ है। एबीवीपी के प्रतिनिधिमंडल में पीएचडी के छात्र अभिषेक वर्मा, विजय व जेएनयू पूर्व सह सचिव सौरव शर्मा डूसू सह सचिव उमाशंकर भी शामिल थे।

तिवारी ने कहा कि वह यहां अज्यर्थियों से मिलकर पूरे मामले को समझने आये हैं। जिससे इस समस्या का हल निकाला जा सके।

एसएससी पेपर लीक मामला

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की परीक्षा का पेपर लीक मामले में शनिवार को सैकड़ों उम्मीदवारों ने लोदी रोड स्थित एसएससी भवन के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर घटना की केन्द्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पिछले कुछ दिनों से चलाए जा रहे अपने आंदोलन को तेज कर दिया है। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं।शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी अपने पदाधिकारियों के साथ धरनारत अभ्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनकी बात सुनी। इस दौरान उनके साथ राजेश भाटिया समेत अन्य नेता भी थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी करीब घंटे भर धरनारत अभ्यर्थियों के बीच रहे और उनकी बात सुनकर आास्त किया कि वह इस मामले को जरूरी प्लेटफार्म पर रखेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने देश के कोने-कोने से आये अभ्यार्थियों की बात सुनीं। अभ्यर्थियों की सीबीआई जांच की मांग पर उचित कार्रवाई करने का उन्होंने आश्वासन दिया। तिवारी ने कहा कि वह यहां अभ्यर्थियों से मिलकर पूरे मामले को समझने आये हैं। जिससे इस समस्या का हल निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को संबंधित विभागीय मंत्री से मिलकर उनके सामने रखेंगे और सुश्चित करेंगे कि आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हो। बता दें कि प्रश्नपत्र लीक होने के बाद उसका स्क्रीन शॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है, शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है। चाणक्य

''टीजर'

एक समय मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुस्लिम संस्कृति का प्रतीक टोपी पहनने तक से इनकार कर दिया था। मगर अब वह खुद बदल चुके हैं। सऊदी अरब की सबसे बड़ी मस्जिद में जाने का कार्यक्रम भी उन्होंने खुद बनाया। हां, यह जरूर है कि अपनी छवि में बदलाव की कोशिशों के बावजूद अपने अतीत के किसी पल के लिए उन्होंने पश्चाताप नहीं किया है। एक नेता के आत्मविास का इससे बड़ा पैमाना और क्या हो सकता है जमाना टीजर का है, उनकी पोजीशनिंग का है, उनको बेचने का है। यह एक बहुत बड़ी ''पैराडाइम शिफ्ट' है। राजनीति में नया प्रस्थापना परिवर्तन है। त्रिपुरा का चुनाव केरल के मार्क्सवादियों के लिए एक प्रकार का ''टीजर' ही है लोग मोदी जी से लाख ''परेशान' हों, उनकी लाख ''आलोचना' करें, उनकी ''डिसरप्टिव' नीतियों से लाख हलकान हों, आज के मीडिया में ''डिसरप्टर' की छवि मूल्यवान होती है। आज के मीडिया की भाषा किसी ''डिसरप्टर' की भाषा से ही मेल खाती है। जब लोग लंबे अरसे तक एक ही जीवनशैली में रहते हैं, और एक दिन ऊबने लगते हैं, तब उनको ''तंग' करने वाला, उनकी जीवनशैली को ''डिसरप्ट' करने वाला ही उनको भाता है। आज के मीडिया में विज्ञापन भी ''टीजर' कहलाते हैं। रजनीकांत की नई फिल्म ''काला' का प्रोमो एक ''टीजर' ही है। टीजर यानी ''चिढ़ाने वाला'। ''टीजर' प्रार्थना की भाषा नहीं जानता कि सर जी आइए, हम आपकी चंपी करेंगे। टीजर आपको चिढ़ाता हुआ, तंग करता हुआ आता है। आप तंग होते हैं, लेकिन ऐसे कि रोने की जगह आनंदित होने लगते हैं। ''टीजर' आपको मनोरंजक तरीके से ''डिस्टर्ब' करता है, और इसी कारण ''मजेदार' लगता है। आप सोचते हैं कि अब तक एक ही स्वाद चखा, एक बार इसे भी आजमा लें। टीजर विज्ञापन की नई भाषा है, हमारे चैनलों की भाषा, हमारे ''सोशल' मीडिया की भाषा। चिढ़ाने की भाषा है। वह टीजर की तरह काम करती है। ''तंग' करने वाले की तरह काम करती है। यह एक ''मनोवैज्ञानिक जबर्दस्ती' है। मीडिया में आए विज्ञापनों का इतिहास देखिए। मीडिया की भाषा का बदलता मुहावरा देखिए। समझ जाएंगे कि नये ब्रांड की ''पोजीशनिंग' के लिए टीजर की जरूरत क्यों होती है? एक भाषा वह थी, जब विज्ञापन या प्रोमो प्रार्थना की भाषा का उपयोग करते थे कि अगर आपको सर में दर्द है, तो ये गोली लीजिए। जैसे ''विक्स की गोली लो सिर दर्द दूर करो'। अब जो विज्ञापन आते हैं, उनका मुहावरा प्रार्थना का नहीं, दर्शक को गुदगुदाने, तिकतिकाने और हकबकाने और झटका देने का है। हमें झटका देने वाला याद रहता है। प्रार्थना की भाषा में रिरियाने वाला नहीं। जिस प्रोडक्ट का विक्रेता उसे प्रार्थना की भाषा में बेचता है, वह बिकता नहीं। लोग सोचते हैं: जब बेचने वाले में ही दम नहीं तो बिकने वाली चीज भी बेकार होगी। आज की राजनीति में भाजपा की ताकत और निर्णयात्मक भाषा लोगों को ''टीज' कर आकृष्ट करती है। दिन-रात सकरुलेट करती भाजपा की उन साउंड बाइटों को, उन चिह्नों को देखिए जो पिछले साढ़े तीन साल के दौरान टीवी और सोशल मीडिया में बड़ी जगह बनाए हुए हैं। त्रिपुरा एक दिन में साढ़े तीन साल में जीता गया है। नेशन, नेशनलिज्म, राष्ट्र, राष्ट्रप्रेम, देश, देशप्रेम, इंडिया फर्स्ट, नेशन फर्स्ट, लुक ईस्ट, हिन्दू धर्म, मंदिर, हिन्दुत्व, संघ, गोमाता, गोरक्षक, लव जिहाद, ''मुसलमान बाहर जाएं', ''ताजमहल तेजोमहल है' ''तेज विकास' के साथ ''हिन्दुत्व' के दावे, नेहरूवादी कांग्रेसी भाषा के बीच सबसे बड़े ''डिसरपन' और ''टीजर' का काम करते हैं। एक ओर तेज विकास के नारे और जमीन पर हिन्दुत्ववादी नेताओं और तरह-तरह के संगठनों द्वारा देश, देशप्रेम, राष्ट्र, राष्ट्रवाद, एक राष्ट्र, एक देश, एक बाजार, एक कानून, एक नेता, एक चुनाव आदि के नारे मीडिया में दिन-रात बजते हुए ''एकत्व' को, ''एकता' को, देश और राष्ट्र के विचार को सघनीकृत करते रहते हैं। साथ ही ये सब मिलकर ''कांग्रेस' या ''वाम' के सेक्युलरिज्म और ''माइनोरिटिज्म' के चले आते विचारों को पहली ही टक्कर में ''डिसरप्ट' कर देते हैं। इनकी सघनता में ''मेजोरिटेरियनिज्म' की आलोचना तक ''बूमरेंग' करती है। यही चिह्न जब दिन-रात मीडिया में सकरुलेशन करते हैं, तो एक ऐसा ''हाइपर रीयल' जगत बनाते हैं, जो नई पीढ़ी को जमीनी हकीकत से अधिक ''अपना', ''सच्चा' और ''निर्णायक' प्रतीत होता है। हर एक के पास का मोबाइल उसे दिन-रात ''हाइपर रीयल' जगत में जिंदा रखता है। आज हम जमीन से अधिक वर्चुअल जगत में रहते हैं, हाइपर में रहते हैं, और ''हाइपर रीयल' वो रीयल होता है, जो जमीनी हकीकत की ''जगह' स्वयं को ''स्थापित' कर लेता है। हमारे अनुभव सीधे व्हाट्सएप और फेसबुक से बनते हैं। जमाना टीजर का है, उनकी पोजीशनिंग का है, उनको बेचने का है। यह एक बहुत बड़ी ''पैराडाइम शिफ्ट' है। राजनीति में नया प्रस्थापना परिवर्तन है। त्रिपुरा का चुनाव केरल के मार्क्सवादियों के लिए एक प्रकार का ''टीजर' ही है। 2019 का सुपर ''डिसरपन' यहीं से शुरू होता है।

प्रमोटिंग अंडरस्टैंडिंग एंड मॉडरेशन'

कभी देश के मुसलमानों के लिए भी पराया था, आज उसे पूरी इस्लामी दुनिया अपनाने के लिए बेताब है। गुजरात दंगों में राजधर्म के विवाद से लेकर, मुस्लिम आतंक से लड़ते अरब मुल्कों को समर्थन तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई पड़ाव पार कर लिए हैं। लहूलुहान मुस्लिम जगत में अमन की पहल अगर उनके नये सफ्र की शुरुआत भर थी, तो नई दिल्ली के इस्लामी सम्मेलन में कट्टरता के खिलाफ उनका संबोधन मील का एक पत्थर है।यों तो आतंकवाद के खिलाफ भाषण अब दुनिया का दस्तूर बन गया है। लेकिन मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय की मेजबानी और इस्लामी विद्वानों के बीच जो भाषण दिया, वह उनके सबसे प्रभावशाली भाषणों में गिना जाएगा। इसकी कई वजहें हैं।

सतीश पेडणोकर

एक समय मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुस्लिम संस्कृति का प्रतीक टोपी पहनने तक से इनकार कर दिया था। मगर अब वह खुद बदल चुके हैं। सऊदी अरब की सबसे बड़ी मस्जिद में जाने का कार्यक्रम भी उन्होंने खुद बनाया। हां, यह जरूर है कि अपनी छवि में बदलाव की कोशिशों के बावजूद अपने अतीत के किसी पल के लिए उन्होंने पश्चाताप नहीं किया है। एक नेता के आत्मविास का इससे बड़ा पैमाना और क्या हो सकता है। रोमांचित है, और दुनिया हैरान। जो कभी देश के मुसलमानों के लिए भी पराया था, आज उसे पूरी इस्लामी दुनिया अपनाने के लिए बेताब है। गुजरात दंगों में राजधर्म के विवाद से लेकर, मुस्लिम आतंक से लड़ते अरब मुल्कों को समर्थन तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई पड़ाव पार कर लिए हैं। लहूलुहान मुस्लिम जगत में अमन की पहल अगर उनके नये सफ्र की शुरुआत भर थी, तो नई दिल्ली के इस्लामी सम्मेलन में कट्टरता के खिलाफ उनका संबोधन मील का एक पत्थर है।यों तो आतंकवाद के खिलाफ भाषण अब दुनिया का दस्तूर बन गया है। लेकिन मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय की मेजबानी और इस्लामी विद्वानों के बीच जो भाषण दिया, वह उनके सबसे प्रभावशाली भाषणों में गिना जाएगा।

इसकी कई वजहें हैं। पहली, मोदी ने आतंकवाद को धर्म के बजाय कट्टरवाद से जोड़ा। और इसीलिए सैद्धांतिक रूप से इसे समूची इंसानियत के लिए खतरा बताया। पीएम मोदी ने कहा, ''इंसानियत के खिलाफ दरिंदगी का हमला करने वाले शायद नहीं समझते कि नुकसान उस मजहब का होता है, जिसके लिए खड़े होने का वह दावा करते हैं।' प्रधानमंत्री ''इस्लामिक हेरिटेज : प्रमोटिंग अंडरस्टैंडिंग एंड मॉडरेशन' विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इस ऐतिहासिक भाषण को याद रखने की दूसरी वजह है, प्रधानमंत्री की जबान। कहते हैं, बात उसी की जबान में करनी चाहिए, जिससे आप संबोधित हों। मोदी ने यही किया। इस्लामी विद्वानों के बीच उन्हीं की भाषा में बात की। ऐसा संवाद आत्मीयता का अहसास भी कराता है, और सीधा मन में उतर जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि मोदी को इस हुनर में महारत हासिल है, और वह देश और दुनिया में अपने फैन्स और फॉलोअर्स बढ़ाकर इसे साबित भी कर चुके हैं। इस्लामिक स्कॉलरों के बीच मोदी ने दुनिया को संदेश दिया कि मजहब का नाम लेकर मजबूत होती कट्टरता को नकारने का वक्त आ चुका है। इसके प्रति कोई भी सहानुभूति मानवता के खिलाफहै। उन्होंने आतंकवाद को तरक्की के खिलाफबताते हुए दुनिया भर में यही संदेश दिया कि सबको साथ लेकर ही इससे निपटा जा सकता है, और इंसानियत को बचाया जा सकता है। मोदी ने भारत में सूफी-संतों की विरासत से लेकर ''वसुधैव कुटुम्बकम' तक की परंपरा की चर्चा की।प्रधानमंत्री मोदी की यह खासियत है कि वे अपने बारे में परसेप्शन पर पूरी संजीदगी से काम करते हैं, और कोई नकारात्मक परसेप्शन होता है, तो उसे बदलने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं। एक समय था, जब कहा जाता था कि उनके लिए कई देशों के दरवाजे बंद हैं, आज वह समय है जब हर देश उनकी मेजबानी के लिए पलक-पांवड़े बिछाए हुए है। दुनिया के मुस्लिम देशों के बीच आज जितने लोकप्रिय मोदी हैं, उतनी लोकप्रियता शायद ही कभी किसी हिन्दुस्तानी नेता को अरब या दूसरे मुस्लिम देशों में मिली हो। हिन्दुस्तान में भी मुसलमानों के बीच पीएम मोदी की छवि अब तेजी से बदलती दिख रही है। इस्लामी विद्वानों की मौजूदगी में उनका गंभीर भाषण भी इसी की एक कड़ी है। प्रधानमंत्री ने भारतीय धरती के ऐतिहासिक महत्त्व और अंतरराष्ट्रीय सहजीविता में उसकी भूमिका की याद दिलाई। न सिर्फ याद दिलाई, बल्कि कहा कि आज भी हिन्दुस्तान अपनी इस भूमिका का निर्वाह करने को तैयार बैठा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''दुनिया भर के मजहब और मत भारत की मिट्टी में पनपे हैं। यहां की आबोहवा में उन्होंने जिदंगी पाई, सांस ली। चाहे वह 2500 साल पहले भगवान बुद्ध हों या पिछली शताब्दी में महात्मा गांधी। अमन और मोहब्बत के पैगाम की खुशबू भारत के चमन से सारी दुनिया में फैली है।'भारत के प्राचीन दर्शन, सूफियों के प्रेम बढ़ाते संदेश और मानवतावाद का स्मरण कराते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मंदिर में दीया जलाने वाले या फिर मस्जिद में सजदा करने वाले या फिर चर्च में प्रार्थना और गुरद्वारे में सबद गाने वाले किसी भी पीढ़ी में रहे हों, इन्होंने देश को जोड़ने का काम किया है। पीएम मोदी के भाषण में विश्व बन्धुत्व का साफ संदेश था। न कहीं सांप्रदायिक भेदभाव, न कहीं धार्मिक कट्टरता। यह भाषण उनके बारे में भारतीय मुसलमानों के बीच बनी छवि को तोड़ता है।

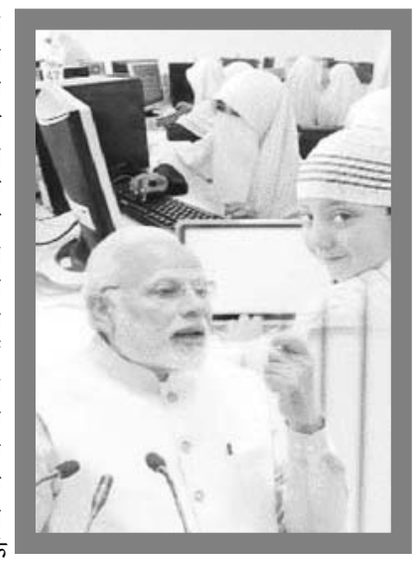

जॉर्डन के इतिहास से भी पीएम मोदी ने संदेश देने वाले उदाहरण खोज निकाले। उन्होंने कहा कि यहीं से खुदा का पैगाम पैगम्बरों और संतों की आवाज बनकर दुनियाभर में गूंजा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम युवकों के एक हाथ में कुरआन होना चाहिए तो दूसरे हाथ में कम्प्यूटर। प्रधानमंत्री मोदी के इस विचार को मुस्लिम विद्वानों के बीच जबर्दस्त प्रशंसा मिली।इससे पहले भी पीएम मोदी के प्रयासों से मुस्लिम समाज को शिक्षा और तरक्की से जोड़ने और एक बार में तीन तलाक की प्रथा से मुस्लिम महिलाओं के लिए आजादी की पहल हो चुकी है। पीएम मोदी के इस भाषण को कोई 2019 के आम चुनाव से जोड़ कर देख रहा है, तो कोई इसका मकसद दुनियाभर में अपनी छवि को सुधारने के लिए उनकी कोशिश के तौर पर देख रहा है। भाषणों के मतलब लगाए जाते हैं, लगाए जाते रहेंगे। मगर इस्लामिक स्कॉलरों के बीच खड़े होकर पीएम मोदी अगर मजबूती से अपनी बात कह पाए हैं, तो सिर्फइसलिए क्योंकि इस दिशा में बीते वर्षों में उनके ठोस प्रयास रहे हैं। उन प्रयासों ने ही उनकी बात में वजन और सुनने वालों में भरोसे का बीज बोया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बात का भी पूरा ख्याल रखा कि आतंकवाद के खिलाफ बोलने का मतलब किसी मजहब के खिलाफन लिया जाए। इसलिए पीएम मोदी ने साफ किया,''आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ मुहिम किसी विशेष समुदाय के खिलाफ नहीं है।'यह सच है कि एक समय मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुस्लिम संस्कृति का प्रतीक टोपी पहनने तक से इनकार कर दिया था। मगर अब वह खुद बदल चुके हैं। सऊदी अरब की सबसे बड़ी मस्जिद में जाने का कार्यक्रम भी उन्होंने खुद बनाया। हां, यह जरूर है कि अपनी छवि में बदलाव की कोशिशों के बावजूद अपने अतीत के किसी पल के लिए उन्होंने पश्चाताप नहीं किया है। एक नेता के आत्मविास का इससे बड़ा पैमाना और क्या हो सकता है। पीएम मोदी के भाषण की जितनी अहमियत दुनिया के लिए है, उससे कम अहमियत उनके फॉलोअर्स के लिए नहीं। अब उनके फॉलोअर्स भी समझने के लिए बाध्य होंगे कि ये पीएम मोदी की ही सोच है कि मुस्लिम देश भी अपने यहां मंदिर बनाने के लिए जमीन देने को तैयार हैं।

तरक्की और विकास चाहिए तो नफ्रत की राजनीति को अलविदा कहना होगा। कट्टरवाद चाहे वह इस्लाम में हो, हिन्दुओं में हो, या किसी और धर्म में, उसका विरोध करने की जरूरत है। आज दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनते आतंकवाद को खत्म करने के लिए कट्टरवाद से ऊपर उठना जरूरी है। चूंकि आतंकवाद ग्लोबल हो चुका है, इसलिए उसका मुकाबला करने का प्रयास भी ग्लोबल होना चाहिए। कट्टरवाद के खिलाफ मुहिम को आकार देने के लिए ग्लोबल कोशिश की जरूरत होगी। इस लिहाज से भी इस्लामिक स्कॉलरों के बीच जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला की मौजूदगी में दिया गया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह भाषण यादगार रहेगा।

चलते चलते

लंबी यात्रा

मदिर-मस्जिद से जो यात्रा शुरू हुई थी, वह श्मशान और कब्रिस्तान तक पहुंच ही गयी। इस यात्रा की यही तो मंजिल थी। रास्ते में बाधाएं तो बहुत आई। जिस तरह से अपने यहां ऋषि-मुनियों की तपस्या को भंग करने के लिए मेनकाएं उतर आती हैं। कुछ-कुछ उसी तरह इस मंजिल के रास्ते में भी बिजली-पानी-सड़क-विकास, रोजगार और भी न जाने कैसी-कैसी मेनकाएं भटकाव पैदा करने के लिए आई। पर खुशी की बात यह है कि तपस्या सफल हुई। अब आप यों कोई शिकवा या शिकायत न पालें कि लो जी, अच्छे दिनों के सपने यों चकनाचूर हुए या कि फिर बिजली-पानी, विकास-रोजगार के वादे यों स्वाहा हुए। बस खतरा यह है कि नए जमाने के नेता कहीं यही नारा न दे दें कि तुम मुझे वोट दो, मैं तुम्हें श्मशान दूंगा।

इस यात्रा की यही तो मंजिल थी। रास्ते में बाधाएं तो बहुत आई। जिस तरह से अपने यहां ऋषि-मुनियों की तपस्या को भंग करने के लिए मेनकाएं उतर आती हैं। कुछ-कुछ उसी तरह इस मंजिल के रास्ते में भी बिजली-पानी-सड़क-विकास, रोजगार और भी न जाने कैसी-कैसी मेनकाएं भटकाव पैदा करने के लिए आई।

देखिए नेता हांक लगाते आ रहे हैं-श्मशान ले लो-कब्रिस्तान ले लो। श्मशान टोकरी में भर कर वे फेरी पर निकले हैं। खरीदने का कोई दबाव नहीं, मुफ्त भी मिल सकते हैं। पहले के चुनावों में और इन चुनावों में फर्क यह है कि पहले उनके पास हर आदमी को देने के लिए पंद्रह-पंद्रह लाख रपए थे, सबके लिए अच्छे दिन थे। अब सिर्फ श्मशान और कब्रिस्तान हैं। ले लो। आखिर जाना तो वहीं है न। अलग-अलग जाकर क्या करेंगे। चलो साथ चलते हैं। धर्मनिरपेक्षता का चरमोत्कर्ष है यह। देखिए सांप्रदायिकता की भी अंतिम परिणति धर्मनिरपेक्षता ही है कि ग्रांट मिले तो दोनों को बराबर मिले और बिजली भी मिले तो भी दोनों को साथ-साथ मिले। घंटे और मिनट देख कर मिले। तखड़ी से तौलकर ऐसी धर्मनिरपेक्षता और कहां मिलेगी। मान हो या कब्रिस्तान, जीवन का अंतिम सत्य वही है। कहते हैं कि इंसान जब श्मशान या कब्रिस्तान में होता है तो ज्यादा दंद-फंद के चक्कर में नहीं रहता। देख लीजिए हमारे नेताओं ने आपको मोह माया से मुक्त करने, आपकी आत्मा को पवित्र करने और पाप मुक्त करने का कितना अच्छा तरीका निकाला है। बाबे हैं जो खुद मोह माया के चक्कर में पड़े हैं और आटा-दाल बेच रहे हैं और दूसरी तरफ हमारे नेता हैं जो आटा-दाल के जंजाल से आपको निकालकर अध्यात्म की ओर ले जा रहे हैं।

केंद्रित करने की प्रक्रिया

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के हाथों सत्ता को और अधिक केंद्रित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राष्ट्रपति पद के अधिकतम कार्यकाल के प्रतिबंध को हटाया जा रहा है। इस आशय का संवैधानिक संशोधन किया जा रहा है, जिसके पारित हो जाने के बाद शी जिनपिंग आजीवन अपने पद पर बने रहेंगे। इस संभावित बदलाव के विरुद्ध चीन में आवाजें उठने लगी हैं। दुनिया भी इस व्यापक बदलाव को शक की नजर से देख रही है। उसे लग रहा है कि चीन लोकतंत्र की तरफसे अधिनायकवाद की ओर बढ़ रहा है। लेकिन ऐसा लगता नहीं है कि इन प्रतिक्रियाओं से शी जिनपिंग के इरादों पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इस समय चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में सत्ता का कोई भी ऐसा केंद्र नहीं है, जो उन्हें चुनौती दे सके। उन्होंने पार्टी की 19वीं कांग्रेस के पहले ही भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाये गए अभियान की आड़ में अपने विरोधी नेताओं को दंडित करके जेल में डाल दिया था या किनारे लगा दिया था। बावजूद इसके वह सत्ता को केंद्रीभूत करने का एक भी अवसर को गंवाना नहीं चाहते। लेकिन एक ही व्यक्ति के हाथों में सत्ता का इस तरह केंद्रीभूत हो जाना चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी का दार्शनिक सिद्धांत और उसके प्रति घोषित प्रतिबद्धता के विरुद्धजाता है।

पार्टी में उत्तराधिकार के सवाल पर जिस तरह के सत्ता संघर्ष हुए हैं, उनसे लगता है कि मौजूदा वक्त में एक व्यक्ति के हाथ में सत्ता का केंद्रीकरण वर्तमान सत्ता संतुलन को प्रभावित करेगा। पूर्व राष्ट्रपति डेंग शियाओपिंग के कार्यकाल में जब चीन आर्थिक शक्ति बन रहा था, तब चीन की व्यवस्था बनाये रखने के लिए और स्थिरता प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति के कार्यकाल को सीमित किया गया था। अब इसी तर्क का सहारा लेकर कार्यकाल की सीमा को हटाया जा रहा है। शी जिनपिंग के दो पूववर्ती राष्ट्राध्यक्षों-डेंग शियाओपिंग और हू जिन्ताओ ने अपने दो कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ दिया था।

इन दोनों नेताओं ने अगली पीढ़ी के नेतृत्व को विकसित भी किया था, जिनमें शी जिनपिंग भी शामिल हैं। लेकिन शी के द्वारा दो कार्यकाल की परम्परा को तोड़ा जा रहा है। इससे चीन में माओ जेदांग के व्यक्ति पूजा की प्रवृत्ति वाले युग की वापसी होने का खतरा दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा हुआ तो उत्तराधिकार के लिए आंतरिक सत्ता-संघर्ष तीव्र हो सकता है।

यह भी गौर करने वाली महत्त्वपूर्ण बात है कि चीन में ऐसे समय में शक्तिशाली और मजबूत नेतृत्व उभर रहा है, जब दुनिया के बाकी देश नेतृत्व के संकट से जूझ रहे हैं। अमेरिका में ओबामा विश्व को सही परिप्रेक्ष्य में देखने वाले नेता थे। वह अमेरिका प्रथम के साथ-साथ बाकी दुनिया को प्राथमिकता के एजेंडे पर सवरेपरि रख कर चल रहे थे। उनकी जगह ट्रंप का नेतृत्व संकुचित और स्व-हित वाला है। भारत में भी हिन्दू बोध से ग्रसित नेतृत्व उभर रहा है और उदारपंथी नेतृत्व सिकुड़ रहा है। ऐसी सूरत में शी जिनपिंग का नेतृत्व एक मात्र ऐसा नेतृत्व है, जो व्यापक परिप्रेक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगा। इसलिए वहां संकुचित नेतृत्व उभरने का संकट हाल-फिलहाल टल गया है। शी जिनपिंग का नेतृत्व चीन को आर्थिक विकास की ओर ले जाएगा। उसका दुनिया में प्रभाव बढ़ेगा। चीन की सैन्य शक्ति बढ़ेगी। इसलिए अगल दशक चीन का है।

सत्संग

जीवन

शरीर और प्राण मिलकर जीवन बनता है। इन दोनों में से एक भी विलय हो जाए, तो जीवन का अंत ही समझना चाहिए। गाड़ी के दो पहिए ही मिलकर संतुलन बनाते और उसे गति देते हैं। अन्यथा प्राण को भूत-प्रेत की तरह अदृश्य रूप से आकाश में, लोक-लोकान्तरों में परिभ्रमण करना पड़ेगा। शरीर की कोई अन्त्येष्टि न करेगा तो वह स्वयं ही सड़-गल जाएगा। दैनिक अनुभव में शरीर ही आता है। आत्मा को उसी के साथ गुंथा रहना पड़ता है। इसका प्रतिफल यह होता है कि आत्मा अपने आपको शरीर ही समझने लगती है और इसकी आवश्यकताओं से लेकर इच्छाओं तक को पूरा करने के लिए जुड़ी रहती है। दूसरा पक्ष चेतना का, आत्मा का रह जाता है। उसके प्रत्यक्ष न होने के कारण प्राय: ध्यान ही नहीं जाता। फलत: ऐसा कुछ सोचते-करते नहीं बन पड़ता, जो आत्मा की समर्थता एवं प्रखरता के निमित्त आवश्यक है। यह पक्ष उपेक्षित बना रहने पर अर्धांग, पक्षाघात पीड़ित जैसी स्थिति बन जाती है। जीवन का स्वरूप और चिंतन कर्तृत्व सभी में उद्देश्यहीनता घुस पड़ती है। जीवन प्रवाह कीट पतंगों जैसा, पशु पक्षियों जैसा बन जाता है। उसमें पेट प्रजनन की ही ललक छाई रहती है। जो कुछ बन पड़ता है, वह शरीर के निमित्त ही काम आता है। लोभ, मोह और प्रशंसा, अहंता की ललक ही छाई रहती है। इन्हीं ललक लिप्साओं को भव बंधन कहते हैं। इसी से जकड़ा हुआ प्राणी हथकड़ी-बेड़ी, तौक पहने हुए बंदी की तरह जेल खाने की सीमित परिधि में मौत के दिन पूरे करता रहता है। ऐसी दशा में आत्मा के संबंध में कुछ विचार करते ही नहीं बन पड़ता। उपेक्षित की पुकार कौन सुने? जिसे उसकी आवश्यकताओं से, पोषण से वंचित रखा गया हो, वह दुर्बल तो होगा ही। कड़ककर अपनी आवयकता बताने और शिकायत सुनाने की स्थिति भी न रहेगी। शरीर के निमित्त ही अंग अवयवों की ज्ञानेन्द्रियों, कमेन्द्रियों की विविध विधि हलचलें होती रहेंगी। ऐसी दशा में यदि जीवनचर्या पर संकीर्ण स्वार्थपरता ही छाई रहे और उसकी पूर्ति के लिए सुविधा, सम्पन्नता बढ़ाने, उसका उचित-अनुचित उपभोग करने की, नशेबाजी जैसी खुमारी चढ़ी रहे तो जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

फोटोग्राफी...

यह हॉन्गकॉन्ग का 'मोंटेन मैंशन' अपार्टमेंट है, जो फोटोग्राफर्स की पसंद रहा है। क्योंकि यह आर्किटेक्चर का अद्भुत नमूना है और तकरीबन 10 हजार लोगों का घर है। वैसे यह तस्वीर ब्रिटिश फोटोग्राफर माइकल स्कॉट ने खींची है। स्कॉट की इसतस्वीर को हाल ही में घोषित नेशनल जियोग्राफिक के ट्रैवलर फोटोग्राफी कॉम्पिटिशन के फायनलिस्ट में स्थान मिला।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में बजरंग और विनोद ने मारी बाजी, कांस्य पर किया कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गत चैम्पियन बजरंग पूनिया ने सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप के समापन से एक दिन पहले यहां पुरूषों के 65 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा जिससे भारत ने शनिवार को दो पदक अपने नाम किए। विनोद कुमार ओमप्रकाश ने भी 70 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे चैम्पियनशिप में भारत के पदकों की संख्या आठ हो गयी जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और छह कांस्य पदक शामिल है।बजरंग को क्वार्टरफाइनल में जापान के दाईची ताकातानी से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन ताकातानी के फाइनल में पहुंचने के कारण 24 साल के इस खिलाड़ी को रेपेचेज दौर में खेलने का मौका मिला। बजरंग ने रेपेचेज दौर के पहले मुकाबले में ताजिकिस्तान के अब्दुलकोसीम फैयेजीव को शिकस्त दी और फिर कांस्य पदक के खिताबी मुकाबले में उन्होंने ईरान के योंस अलीअकबर इम्माचोगेई को 10-4 से हराकर जीत दर्ज की। विनोद भी क्वार्टफाइनल में उज्बेकिस्तान के इखतियोर नावरूजोव से हार गए थे लेकिन प्रतिद्वंदी से फाइनल में पहुंचने के कारण उन्हें पदक हासिल करने का एक और मौका मिला। कांस्य पदक मुकाबले में उन्हें किर्गिस्तान के एलामन डोगडुर्बेक उलु से कड़ी टक्कर मिली। मैच 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद भी आखिरी अंक हासिल करने के आधार पर विनोद विजेता बने। नवजोत कौर ने शुक्रवार इतिहास रच दिया था, जो इस सीनियर महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गयी थीं। उन्होंने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में सोने का तमगा हासिल किया था। रियो ओलंपिक की कांस्य पदकधारी साक्षी मलिक ने कल 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया था।

करो या मरो के मुकाबले में भिड़ेंगे जमशेदपुर-गोवा

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी और एफसी गोवा के बीच आज होने वाला मैच दोनों टीमों के लिए करो या मरो की स्थिति वाला मैच है। इस मैच से ही हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के चौथे सीजन के प्लेऑफ की चौथी टीम का फैसला होगा। गोवा अगर इस मैच को ड्रॉ कराने में भी सफल होता है तो वह सेमीफाइनल में प्रवेश कर लेगा, लेकिन जमशेदपुर को सिर्फ जीत ही चाहिए। अगर अपने घर जेआरडी टाटा स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में जमशेदपुर जीत जाती है तो पहली बार लीग में खेलने वाली इस टीम के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। जमशेदपुर के कोच स्टीव कोपेल ने मैच से पहले शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह अजीब तरह की स्थिति है, लेकिन मैं इस बात से खुश हूं कि हमें आगे जाने के लिए सिर्फ जीत चाहिए, इसे लेकर हमारे दिमाग में किसी तरह की शंका नहीं है। कोच ने कहा,अगर ऐसा होता कि हमें सेमीफाइनल में जाने के लिए ड्रॉ भी काफी होता तो फिर यह कहा जाता कि हम अपने आप को बचाने के लिए खेल रहे थे और मैं यह समझता कि यह बात हम पर लागू नहीं होती। इस परिणाम का मतलब है कि हमारे दिमाग में सिर्फ एक ही लक्ष्य है और खेलने का एक ही तरीका। हमें क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ जीतना है। इंग्लैंड निवासी कोपेल को अपनी टीम की जीत पर किसी तरह का संशय नहीं है। दोनों टीमों के बीच गोवा में हुए पिछले मैच में मेजबान टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की थी।

राजस्थान के पूर्व डीजीपी अजीत सिंह हो सकते है बीसीसीआई एसीयू के प्रमुख

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक अजीत सिंह शेखावत को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) का प्रमुख नियुक्त किया जा सकता है जो नीरज कुमार की जगह लेंगे। यह पता चला है कि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सात अप्रैल से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग की शुरूआत से पहले एसीयू प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल लेंगे। शेखावत 1982 बैच के आईपीएस अधिकारी है जो पिछले साल 30 नवंबर को राजस्थान के शीर्ष पुलिस अधिकारी के पद से सेवानिवृत हुए है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी इस खबर की पुष्टि की। नाम नहीं छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि हां , बीसीसीआई ने एसीयू प्रमुख के तौर पर अजीत शेखावत के नाम को लगभग तय कर लिया है। वह शानदार अधिकारी रहे हैं, खास कर भ्रष्टाचार विरोधी गतिविधियों में वह विशेषज्ञ हैं। वह बीसीसीआई की जरूरतों के अनुसार पूरी तरह से फिट बैठते है।

चैपल को कोच बनवाना सबसे बड़ी भूल: गांगुली

नई दिल्ली। देश के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरभ गांगुली का मानना है कि आस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल को टीम इंडिया का कोच बनावाना उनकी सबसे बड़ी भूल थी और उनकी चैपल के साथ लड़ाई को वह अपने क्रिकेट जीवन का काला अध्याय मानते हैं। गांगुली की चैपल के साथ लड़ाई जगजाहिर है और स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि कई बार उनके बीच कहासुनी भी हुई। गांगुली ने इस लड़ाई का पूरा खुलासा हाल में प्रकाशित अपनी किताब 'ए सेंचुरी इज नॉट इनफ़' में किया है। चैपल को भारतीय कोच बनाने में गांगुली की ही सबसे बड़ी भूमिका रही थी और ऐसा करते समय उन्होंने कई दिग्गजों की राय तक को दरकिनार कर दिया था। अब गांगुली ने अपनी किताब में माना कि ये उनकी सबसे बड़ी भूल थी। महान ओपनर सुनील गावस्कर और ग्रेग चैपल के भाई इयान चैपल मानते थे कि ग्रेग कोच पद के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। गावस्कर ने तो सौरभ को यहां तक कहा था कि ग्रेग का कोचिंग रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और उनके रहते सौरभ को टीम चलाने में परेशानी भी हो सकती है। भारतीय क्रिकेट के कद्दावर प्रशासक जगमोहन डालमिया ने सौरभ को अपने घर बुलाकर यह तक बताया था कि इयान की नजर में ग्रेग कोच पद के लिए कतई सही नहीं है। गांगुली ने इन सब चेतावनियों को नजरअंदाज किया और चैपल को कोच बनाने के लिए डालमिया को अपनी पसंद भेज दी। गांगुली ने अपनी किताब में लिखा, मैंने आस्ट्रेलिया में जाकर वहां मैच जीते लेकिन उनके एक नागरिक को नहीं जीत पाया। वह नागरिक और कोई नहीं ग्रेग चैपल थे जिन्होंने ना केवल गांगुली की कप्तानी से छुट्टी की बल्कि उन्हें टीम से भी बाहर करवा दिया।

इंग्लैंड ने भारत को 1-1 की बराबरी पर रोका, ट्रॉफी जीतना मुश्किल

इपोह (मलेशिया)। अपनी जीत लगभग तय कर चुकी भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इंग्लैंड ने रविवार को 27वें सुल्तान अजलान शाह टूनार्मेंट में खेले गए दूसरे मैच में 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। इंग्लैंड के मार्क ग्लेगहॉर्न की ओर से पेनाल्टी स्ट्रोक पर किए गए गोल के दम पर उसने मैच का बराबर कर दिया। अब इसी के साथ दो मैचों में से एक भी मैच जीतने में नाकाम रही टीम इंडिया के लिए ट्रॉफी जीतने का रास्ता और मुश्किल हो गया है।

बता दें कि शनिवार को खेले गए अपने-अपने पहले मैच में भारत और इंग्लैंड दोनों को हार का सामना करना पड़ा था। भारत को अर्जेंटीना ने 2-1 से हराया था। वहीं वर्ल्ड नम्बर-1 आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 4-1 से मात दी थी। रविवार को खेले गए मैच की शुरुआत के बाद 14वें मिनट में तलविंदर सिंह की ओर से किए गए फील्ड गोल के दम पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 1-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद, दोनों टीमें दूसरे और तीसरे क्वार्टर में गोल के लिए संघर्ष करती रहीं। चौथे क्वार्टर में इंग्लैंड ने अपनी गोल की कोशिशों को जारी रखा और इसी कोशिश के फलस्वरूप उसे पेनाल्टी स्ट्रोक हासिल हुआ। इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्लेगहॉर्न ने 52वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर मिले गोल के अवसर को भुनाया और स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया। इसके तहत दोनों टीमों के बीच का यह मैच 1-1 से ही ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

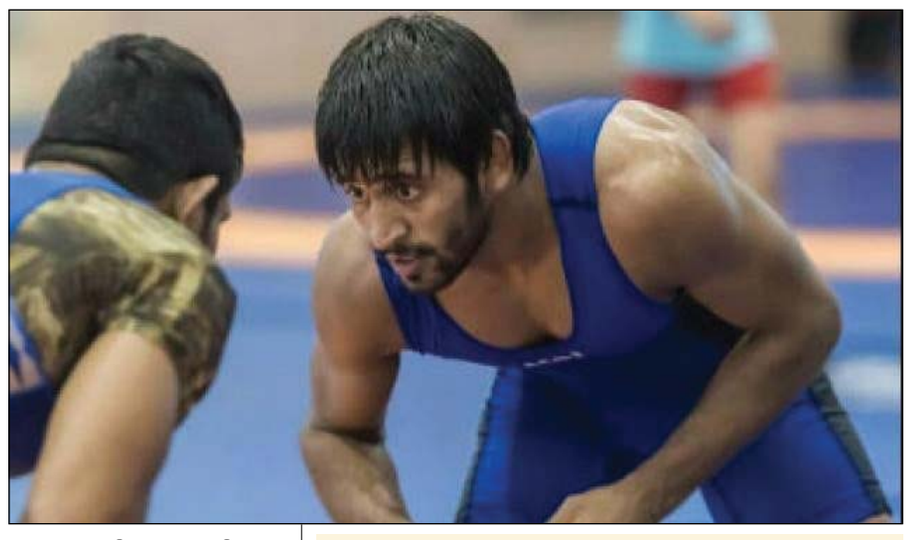

निधास ट्रॉफी के लिये श्रीलंका रवाना हुई भारतीय टीम

मुंबई (एजेंसी)।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम श्रीलंका में गुरूवार से शुरू होने वाली निधास टी20 ट्राफी के लिये आज रवाना हो गयी। कप्तान विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी सहित प्रमुख खिलाड़ियों को भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच होने वाली इस त्रिकोणीय श्रृंखला से विश्राम दिया गया है।

टूर्नामेंट छह मार्च से शुरू होगा जब भारत कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में मेजबान श्रीलंका से भिड़ेगा। फाइनल 18 मार्च को खेला जाएगा। सभी तीनों एक दूसरे से दो - दो बार भिड़ेंगी तथा शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी। सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे।

भारतीय टीम इस प्रकार है = रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), केएल राहुल, सुरेश रैना, मनीष पांडे, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, विजय शंकर, शार्दुल ठाकुर, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)।

वेंकटेश प्रसाद किंग्स इलेवन पंजाब के गेंदबाजी कोच नियुक्त

मोहाली। वेंकटेश प्रसाद को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के लिये किंग्स इलेवन पंजाब का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया। दो दिन पहले भारत के इस पूर्व गेंदबाज ने जूनियर राष्ट्रीय चयन पैनल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। टूर्नामेंट का 11वां सत्र अप्रैल में शुरू होगा तो किंग्स इलेवन पंजाब ने अपने सहयोगी स्टाफ की घोषणा की।

किंग्स इलेवन पंजाब ने बयान में कहा, ''भारत के पूर्व गेंदबाज और बीसीसीआई की जूनियर राष्ट्रीय चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद गेंदबाजी कोच के तौर पर हमारे साथ होंगे।'' आस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी ब्रैड हाज अगले तीन सत्र के लिये टीम के मुख्य कोच होंगे। खेल के इस प्रारूप में 7000 से ज्यादा रन जुटाने वाले हाज को पूरा भरोसा है कि टीम के मेंटर वीरेंद्र सहवाग के मार्गदर्शन में वह टीम को सफलता दिला सकेंगे। उन्होंने कहा, ''हमारे कोचिंग स्टाफ का प्रत्येक सदस्य काफी अनुभवी है जिससे हमें अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।'' दिल्ली के खिलाड़ी मिथुन मन्हास टीम में सहायक कोच होंगे। निशांत ठाकुर अनुकूलन कोच, श्यामल वल्लभजी तकनीकी कोच और निशांत बोरदोलोई क्षेत्ररक्षण कोच होंगे। सहवाग ने कहा, ''हम वेंकटेश के साथ इस साल टीम के लिये विदेशी कोच रखकर खुश हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम को उनके अनुभव से काफी फायदा होगा।''

शहजर रिजवी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड, जीतू राय को ब्रॉन्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के शहजर रिजवी ने मैक्सिको के ग्वादलहारा में आयोजित शूटिंग वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीतकर उसे यादगार बना लिया। उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी शहजर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में शनिवार देर रात गोल्ड पर निशाना साधा। रिजवी ने इस 10 मीटर शूटिंग प्रतिस्पर्धा में गोल्ड जीतने के साथ-साथ शूटिंग का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। गोल्ड मेडल के लिए हुए शूटआउट में रिजवी ने रेकॉर्ड 242.3 पॉइंट हासिल कर जर्मनी के क्रिश्चियन रिट्ज (239.7) को हराया। इस प्रतिस्पर्धा में भारत के लिए दोहरी खुशी का मौका था, रिजवी के अलावा देश के दिग्गज शूटर जीतू राय ने भी 219 अंक हासिल कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। रिजवी के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह अपना पहला ही वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। 579 पॉइंट्स के साथ रिजवी भारत की ओर से सबसे ज्यादा पॉइंट हासिल करने वाले खिलाड़ी रहे। इस प्रतिस्पर्धा में पहुंचे दुनिया के 8 टॉप खिलाड़ियों में वह दूसरे स्थान पर रहे। जीतू राय 578 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

केकेआर की कमान दिनेश कार्तिक के हाथ में, उथप्पा उप कप्तान

मुंबई। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को कोलकाता नाइटराइडर्स का कप्तान नियुक्त किया गया जबकि रोबिन उथप्पा इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र में उप कप्तान होंगे। यह घोषणा स्टार स्पोर्ट्स स्टूडियो में 'नाइट क्लब' शो में की गयी। इस मौके पर केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक वेंकी मैसूर के साथ कार्तिक भी मौजूद थे। कार्तिक ने कहा कि वह युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की टीम की अगुवाई को तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''कोलकाता नाइटराइडर्स का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है जो आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है और मैं इस नयी चुनौती के लिये तैयार हूं। टीम के लिये भी मैं उत्साहित हूं जिसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।''

खेल ईकाइयां अब दूसरे स्रोतों से भी धनराशि जुटाने के प्रयास करें : राठौड़

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिये आर्थिक आत्मनिर्भरता को जरूरी बताते हुए खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मंत्रालय हरसंभव मदद करने के लिये तैयार है लेकिन खेल ईकाइयों को अब दूसरे स्रोतों से भी धनराशि जुटाने के प्रयास करने चाहिये। राठौड़ ने दिये इंटरव्यू में कहा ,''राष्ट्रीय खेल महासंघों को आर्थिक मदद के लिये सिर्फ मंत्रालय पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिये। हम चाहते हैं कि वे आत्मनिर्भर बनें लेकिन इसके यह मायने नहीं है कि हम उन्हें मिलने वाले अनुदान में कोई कटौती करने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,''हाकी, कुश्ती, बैडमिंटन सभी खेलों में लीगों के जरिये पैसा जुटाया जा रहा है लेकिन इसके बावजूद हम उन्हें आर्थिक मदद करते हैं। मंत्रालय से मिलने वाली मदद और कारपोरेट समेत अन्य स्रोतों से धनराशि जुटाना साथ साथ भी हो सकता है।''

एथेंस ओलंपिक रजत पदक विजेता राठौड़ ने कहा ,''जहां भी जरूरत होगी, सरकार मदद करने को तैयार है लेकिन उनकी तरफ से भी साझेदारी लाने के लिये लगातार प्रयास होने चाहिये। यह खेलों के लिये अच्छा होगा।'' उन्होंने कहा कि भारत में खेल प्रशासन में बदलाव लाना जरूरी है लेकिन देश को खेल महाशक्ति बनाने के लिये मंत्रालय, आईओए, एनएसएफ, कारपोरेट और सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करने होंगे। आईओए से संबंधों के सवाल पर राठौड़ ने कहा ,''भारतीय खिलाड़ी जब मैदान पर उतरते हैं तो पूरे देश का सम्मान दांव पर लगा होता है। इसीलिये खेलों से जुड़े सभी पक्षों को मिलकर काम करना होगा और हम कर भी रहे हैं। मैं सभी को बरसों से जानता हूं और सभी से दोस्ती है तो मिलकर काम करने में कोई परेशानी नहीं है।'' राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में प्रस्तावित बदलाव के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि जवाबदेही और पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा ,''काम करने का जो तरीका चला आ रहा है, हम उसे बदल रहे हैं। मिनटों में नीतिगत फैसले लेते हैं। पहले प्रोजेक्ट अधिकारी या अंडर सेक्रेटरी ही एनएसएफ से जुड़े फैसले ले लेते थे लेकिन अब जिन्हें खेलों की समझ होगी, वे ही फैसले लेंगे। हम तो अपनी अकादमियों को भी आउटसोर्स करना चाहते हैं।'' राठौड़ ने कहा ,''खेलों को समर्थन देने के लिये कारपोरेट जगत तत्पर है लेकिन उन्हें भरोसा दिलाना जरूरी है कि उनका पैसा सही जगह पर जा रहा है। पारदर्शिता और जवाबदेही सबसे अहम है।

फीफा 2018 : फुटबॉल वर्ल्ड कप में होगा क्रिकेट जैसा 'रिव्यू' सिस्टम!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फुटबॉल का सबसे बड़े टूर्नामेंट यानि वर्ल्ड कप अब कुछ ही महीने दूर है। रूस में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप से पहले इसके नियम कानून तय करने वाली संस्थानों ने एक अहम बदलाव करने का निर्णय लिया है। खबरों के मुताबिक इस बार विश्व कप में होने वाले मैचों के दौरान 'वीडियो असिस्टेंट रेफरी' भी मौजूद होगा जो फील्ड रेफरी के फैसलों को चुनौती देगा।

'क्रिकेट रिव्यू सिस्टम' के जैसा होगा वीडियो असिस्टेंट

आपको बता दें कि ये पहला फुटबॉल विश्व कप होगा जिसमें मैच के अलग-अगल फैसलों के लिए वीडियो असिस्टेंट रेफरी (VAR) की मदद ली जाएगी। दरअसल इस तकनीक की मदद से रिकॉर्ड हो रहे लाइव फुटबॉल मैच को देखने के लिए एक रेफरी रखा जाएगा। ये रेफरी, फील्ड में मौजूद दो रेफरियों से अलग होगा, जो कैमरे के जरिए मैच की गतिविधियों पर नजर रखेगा। अगर फील्ड रेफरी का कोई निर्णय जैसे कि गोल, फाउल, पेनल्टी, कैमरे में गलत पाया जाता है या उसकी गलती सामने आती है, तो वीडियो असिस्टेंट रेफरी की मदद से उस फैसले को बदला जा सकता है। ये क्रिकेट के 'DRS' यानि डिसिजन रिव्यू सिस्टम से मिलता-जुलता है।

एक एक्सपर्ट का मानना है कि ये सिस्टम फैंस, खिलाड़ियों और कोच, सभी के लिए सकारात्मक साबित होगा। उनका कहना है कि इसे प्रयोग के तौर पर 1000 मैचों में इस्तेमाल किया गया। इन सभी मैचों में ये 93 से 99 प्रतिशत सही साबित हुआ है। आपको बता दें कि फुटबॉल वर्ल्ड 2018 रूस द्वारा आयोजित किया जाएगा। ये 14 जून 2018 से शुरू होकर 15 जुलाई तक चलेगा।

आपको बता दें कि अंतरराष्ट्रीय फुटबाल संगठन समिति ने सर्वसहमिति से शनिवार को पास कर दिया है। स्नढ्ढस्न्न के अध्यक्ष गियानी इंफेंटीनो ने कहा कि 16 मार्च को एक मीटिंग में निर्णय निया जाएगा की ङ्कक्र को वर्ल्ड कप में शामिल करना है या नहीं। आपको बता दें कि वीडियो असिस्टेंस रेफरी का इस्तेमाल कई फुटबॉल लीग टूर्नामेंट में किया जाता है। इसमें मुख्य रेफरी का एक असिस्टेंट यानि सहयोगी, वीडियो ऑपरेशन रूम में मौजूद होता है। वो कैमरे के जरिए अलग-अलग स्क्रीन पर लाइव मैच को देखता रहता है। ये वीडियो असिस्टेंट, ग्राउंड में मौजूद मुख्य रेफरी को मैसेज देता है अगर उसे किसी निर्णय को लेकर गड़बड़ी लगती है। इसके बाद फील्ड रेफरी तीन तरह से ङ्कक्र की कॉल पर एक्शन ले सकता है। पहला कि वो असिस्टेंट की बात सुनकर अपना निर्णल बदल सकता है। दूसरा कि वो फील्ड के किनारे जाकर खुद वीडियो में गलती को देख सकता है और तीसरा, कि वो अपने निर्णय पर कायम रहकर असिस्टेंट की बात को खारिज कर सकता है।

कौन-कौन से फैसले रिव्यू किए जा सकते हैं:

- गोल हुआ है या नहीं, या फिर गोल करने के दौरान किसी नियम का उल्लंघन तो नहीं हुआ, इसे रिव्यू किया जा सकता है।
- खिलाड़ियों को पेनल्टी दिए जाने के फैसले रिव्यू कर सकते हैं
- रेफरी द्वारा रेड कार्ड दिए जाने के निर्णय को रिव्यू किया जा सकता है।
- इसके अलावा अगर किसी खिलाड़ी को गलती से येलो कार्ड दिया गया है तो उसे भी रिव्यू कर सकते हैं।

लिंबायत में बीमारी से परेशान अधेड़ ने लगाई फांसी

सूरत। लिंबायत के गोडादरा सनराइज स्कूल के पास लक्ष्मीनारायण सोसाइटी में रहने वाले एक अधेड़ ने पेरालिसीस की बीमारी से परेशान होकर गत रोज फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोडादरा सनराइज स्कूल के पास लक्ष्मीनारायण सोसाइटी में रहने वाले सोमनारायण मलैया दासरी पद्मशाली (64 वर्ष) पिछले काफी समय से पेरालिसीस की बीमारी से पीड़ित थे। उनका काफी इलाज भी कराया गया लेकिन आराम नहीं हो रहा था। इस बीमारी से त्रस्त होकर सोमनारायण ने गत रोज अपने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और छत में लगे हुक के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगाकर जीवन को समाप्त कर लिया। घटना के संदर्भ में लिंबायत पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

आरआर सेल द्वारा पकड़ी विदेशी शराब मामले में 6 पुलिसकर्मी सस्पैंड

भरुच (ईएमएस)। धुलेंडी के दिन भरुच में वडोदरा आरआर सेल ने साढ़े पांच लाख से ज्यादा की विदेशी शराब पकड़ी थी। इस मामले में 6 पुलिसकर्मियों को सस्पैंड कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक वडोदरा आरआर सेल ने धुलेंडी के दिन पूर्व सूचना के आधार पर भरुच से रु. 5.63 लाख कीमत की विदेशी शराब जब्त की थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने ड्यूट में लापरवाही बरतने पर छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। आरआर सेल ने भरुच के कुख्यात शराब माफिया बबुल पाटणवाडिया की विदेशी शराब पकडी थी।

उड़ान के लिए बाधक स्वरूप इमारतों का सर्वे 10 को

आयोजित संकलन बैठक में नवसारी सांसद ने उठाया मुद्दा

सूरत। शनिवार को मनपा संकलन की एक बैठक आयोजित की गई। जहां नवसारी सांसद सी.आर. पाटिल के साथ मनपा के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

संकलन बैठक में बोलते हुए सांसद पाटिल ने कहा कि सूरत एअरपोर्ट पर उड़ानों को भरते समय कुछ इमारतें बाधा उत्पन्न करती हैं। इन्हें तोड़ने की कार्यवाही शीघ्रातिशीघ्र करनी चाहिए। एअर पोर्ट के पास निर्मित तकरीबन 36 इमारतें बाधा स्वरूप हैं। इन इमारतों को धराशायी करने का मसला मनपा और एअरपोर्ट अथॉर्टी के बीच उलझा हुआ है। यहां तक कि इनमें से 18 इमारतों का निर्माण कार्य रोक दिया गया है। जबकि 16 को एअरपोर्ट अथॉर्टी ने स्वयं एनओसी दी है। एएआई का दावा है कि एनओसी लेते समय जो जगह इमारत के निए सुनिश्चित की गई थी, वहां इमारतें खड़ी करने के बजाय दूसरी जगह बना ली गई हैं। बिल्डरों का कहना है कि एएआई ने सर्वे करके ही एनओसी दिया था। अब 10 मार्च को पुन: सर्वे कार्यवाही की जाएगी। पाटिल ने कहा कि 18 हाईराइज इमारतें उड़ान के समय खतरनाक हैं, इन्हें हटाने में देरी नहीं करनी चाहिए। जबकि मनपा ने कहा कि इन इमारतों के लिए एएआई ने एनओसी दे दी है, जबतक एनओसी खत्म नहीं की जाती तबतक कोई भी कार्रवाई नहीं होगी।

बतादें कि एअरपोर्ट अथॉर्टी ने कुछ महीने पहले ही इन इमारतों को खाली करने के लिए नोटिस दे दी है। मार्च 2017 में एअरपोर्ट अथॉर्टी ऑफ इंडिया ने एक टीम भेजी थी, जिसने सर्वे करने के बाद रनवे में बाधक स्वरूप 92 वस्तुओं की सूची मनपा को सौंपी थी। इनमे वृक्ष, बिजली के खंम्भे और इमारतों का भी समावेश था।

अंतिम व्यक्ति तक पेयजल पहुंचाने को राज्य सरकार ने की पूर्व व्यवस्था: रूपाणी

पानी की संभावित परिस्थिति को लेकर मुख्यमंत्री ने बुलाई समीक्षा बैठक

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आगामी गर्मी के दिनों में भी पानी की किल्लत न हो इसके लिए पूर्व प्रबंध करते हुए प्रारंभ में मंजूर किए गए ताकीद के २०६ करोड़ रुपए के ३२ कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। पानी की संभावित परिस्थिति का सामना करने के लिए किए गए आयोजन के संदर्भ में रविवार को बुलाई गई उच्च अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अंतिम छोर के व्यक्ति तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के कार्य को हमेशा प्राथमिकता दी है। इसलिए ही इस वर्ष में नर्मदा बांध में ५० फीसदी से भी कम पानी भरा होने के बावजूद राज्य सरकार ने पूर्व व्यवस्था कर ३१ जुलाई तक खड़ी होने वाली पानी की मांग को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने इस समीक्षा बैठक में राज्य के सौराष्ट्र एवं कच्छ क्षेत्र के जलाशयों में आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए पेयजल के लिए जुलाई-२०१८ तक का पानी का भंडार आरक्षति रखने का निर्देश भी दिया। राज्य में वर्तमान में नर्मदा आधारित योजनाओं से ८,६३९ गांवों तथा १६५ शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की जाती है। ऐसे में, रबी सीजन के लिए सिंचाई का पानी देने के बाद स्थानीय जलस्त्रोतों में उपलब्ध पानी का पेयजल के रूप में सुचारु उपयोग करने की बात उन्होंने कही। राज्य सरकार द्वारा पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए आगामी १५ मार्च से नर्मदा नहर में सिर्फ पीने के पानी का वहन करना तय किया गया है। ऐसे में, इस समय के बाद मुख्य नहर तथा सौराष्ट्र शाखा नहर में ही पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। जबकि अन्य शाखा नहरें बंद रखी जाएंगी। इसलिए मुख्यमंत्री ने जिन गांवों तथा शहरों में नर्मदा का पानी ना पहुंच सके, वहां वैकल्पिक व्यवस्था युद्धस्तर पर कर पानी पहुंचाने का निर्देश दिया। इसके लिए राज्य सरकार ने पहले ही २०६ करोड़ रुपए के जिन ३२ कार्यों को मंजूरी दी थी, उन सभी कार्यों की वर्तमान स्थिति की प्रगति की समीक्षा कर मुख्यमंत्री ने इन कार्यों को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। राज्य सरकार की इस पूर्व व्यवस्था से १,४०० से अधिक गांवों और ३२ शहरों को वैकल्पिक व्यवस्था द्वारा गर्मियों के दिनों में भी पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इन कार्यों के जरिए सौराष्ट्र के जिन जलाशयों में पेयजल का भंडार आरक्षति रखा जाता है, उसके अलावा सानी, वर्तु-२, घी, ओजत-२, ब्रामणी-१, ब्रामणी-२, फोदाळा बांध तथा कच्छ के फतेहगढ़, गोधतड़, मीट्ठी एवं सुवाई जैसे बांधों में से अतिरिक्त भंडार नर्मदा के विकल्प के रूप में देने की व्यवस्था की गई है। इस समीक्षा बैठक में कच्छ जिले की जीवनरेखा समान टप्पर बांध तथा राजकोट जिले के आजी-१ बांध में आवश्यकतानुसार पानी का भंडारण करने के निर्णय की भी मुख्यमंत्री ने समीक्षा कर इन कार्यों की प्रगति की जानकारी हासिल की। श्री रूपाणी ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं सभी जिला कलक्टरों को हर सप्ताह पेयजल की स्थिति की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सुरेन्द्रनगर जिले तथा तटीय इलाकों के अगरियाओं को पानी की तंगी न हो, इसके लिए अधिक टैंकरों के जरिए पानी मुहैया कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने आवश्यक हो ऐसे क्षेत्रों में नए पाताल कुएं और हैंड पंप बोर करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने सौराष्ट्र एवं कच्छ की नगरपालिकाओं द्वारा पेयजल के सुचारु दैनिक वितरण की व्यवस्था के लिए शहरी विकास विभाग को दीर्घकालिक प्रबंध के लिए विशेषज्ञों की सेवाएं लेकर योजना बनाने का भी निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने कहा कि राज्य के दक्षिण एवं मध्य क्षेत्र के जिलों वलसाड़, डांग, नवसारी, तापी, सूरत, नर्मदा, छोटा उदेपुर, दाहोद, महीसागर, पंचमहाल, वड़ोदरा, खेड़ा और आणंद जिले में पेयजल के पर्याप्त स्त्रोत हैं। इन जिलों में जरूरत पड़ने पर टैंकर के जरिए पानी सुलभ कराने की व्यवस्था की गई है। जनजातीय क्षेत्रों में हैंड पंप की मरम्मत करने के लिए पर्याप्त संख्या में मरम्मत टीमों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, साबरकांठा जिले के २८० गांव फतेपुर एवं खेड़ तालाब पर आधारित हैं। अधिकारियों ने कहा कि नर्मदा मुख्य नहर से पाइपलाइन के मार्फत इन तालाबों को पेयजल के लिए भरने का निर्णय किया गया है। राज्य सरकार ने संभावित परिस्थिति का सामना करने के लिए २०६ करोड़ के ताकीद के जिन कार्यों का आयोजन किया है, उसमें प्रगति में चल रहे कार्यों में मुख्यत: अहमदाबाद जिले के लिए करीब २२.४० करोड़, देवभूमि द्वारका के लिए करीब ४४.५० करोड़, कच्छ के लिए करीब ४१.३२ करोड़, मोरबी के लिए करीब २०.६६ करोड़, भावनगर के लिए करीब २६.२० करोड़, सुरेन्द्रनगर के लिए करीब १७.८० करोड़, जूनागढ़ के लिए करीब १४.२० करोड़, राजकोट के लिए करीब ९.५० करोड़ रुपए तथा पाटण-बनासकांठा जिले के लिए ७.३४ करोड़ रुपए के कार्यों का समावेश होता है। प्रगति में चल रहे इन सभी कार्यों की मुख्यमंत्री ने समीक्षा की। इसमें अहमदाबाद जिले के वीरमगाम, देत्रोज एवं मांडल तहसील के १२६ गांवों को झिंझुवाड़ा शाखा नहर के प्रथम पुल में उपलब्ध पानी का उपयोग करने लगभग १६ करोड़ के कार्य, देवभूमि द्वारका जिले में खंभाळिया एवं कल्याणपुर तहसील के कुल १६ गांवों के लिए ७.६९ करोड़ के घी जलाशय मुख्य पाइपलाइन के कार्य, खंभाळिया तहसील के ८० एवं लालपुर तहसील के ३९ गांवों तथा तीन शहरों के लिए पांचदेवड़ा तालाब की मुख्य पाइपलाइन के १.१४ करोड़ के कार्य तथा कल्याणपुर एवं ओखा मंडल के ९९ गांव एवं तीन शहरों के लिए सानी बांध से १७ किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के लिए ३२.४० करोड़ रुपए के कार्यों का समावेश होता है। इसके अलावा, जूनागढ़ जिले के माणावदर शहर तथा माणावदर तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बांटवा खर बांध से १० किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के लगभग २.७१ करोड़ के कार्य तथा ओजत-२ बांध से पाइपलाइन के लिए २.४० करोड़ के कार्य किए जाएंगे तथा पोरबंदर जिले के गांवों के लिए फोदरा बांध की पाइपलाइन का १.६५ करोड़ रुपए का कार्य भी शुरू किया जाएगा। राजकोट जिले के भादर-१ बांध से अमरनगर हेडवर्क्स तक १४.५० किमी लंबी पाइपलाइन योजना के ९.५० करोड़ के कार्य का समावेश होता है। मोरबी एवं सुरेन्द्रनगर के लिए ब्राह्मणी-२ बांध आधारित पाइपलाइन द्वारा हळवद एवं मूळी तहसील के कुल ७९ गांव एवं एक शहर के लिए २०.६६ करोड़ जबकि नायका बांध आधारित सुरेन्द्रनगर जिले के २३ गांवों के लिए २ किमी. लंबी पाइपलाइन का १.३२ करोड़ के कार्य एवं लींबड़ी शहर तथा १४ गांवों के लिए वड़ोद बांध आधारित पाइपलाइन के १.५६ करोड़ के कार्य जबकि सुरेन्द्रनगर जिले के ५७ गांवों एवं ध्रांगध्रा शहर के लिए ४.२५ किमी लंबी पाइपलाइन के लिए ८.२७ करोड़ तथा धोळीधजा बांध में नवीन पंपिंग मशीनरी के लिए २.३५ करोड़ रुपयों के माध्यम से सुरेन्द्रनगर जिले के सायला, चोटिला, थानगढ़, मूळी एवं वांकानेर तहसील के कुल ३२४ गांव एवं दो शहरों को जलापूर्ति की जा सकेगी। कच्छ जिले के फतेगढ़ बांध से २ किमी पाइपलाइन के लिए ४.१७ करोड़ रुपए के कार्य से रापर तहसील के ५७ गांवों को लाभ मिलेगा। वहीं, गोधातळ बांध आधारित पाइपलाइन के २.०२ करोड़ रुपए के कार्य से २१ गांवों को फायदा होगा।

महिला के गले से चेन की छिनैती

सूरत। परवत पाटिया क्षेत्र में महिला रिक्शा का इंतजार कर रही थी। तभी अचानक एक बाइक सवार आया और महिला के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गया।पूणा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अबिंका हाइट्स, प्रियंका मेट्रो सिटी, गोडाडरा नहर के पास लिंबायत में रहने वाले ओमप्रकाश चतराराम परमार की पत्नी सुनीता अपनी बहन के साथ परवत पाटिया के आईमाता रोड पर क्षेत्रपाल मेडिकल के सामने रिक्शा का इंतजार कर रही थीं। तभी एक बाइक सवार अचानक आया और उनके गले से सोने की चेन (कीमत 75000 रू.)छीनकर फरार हो गया। घटना के संदर्भ में पूणा पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

अहमदाबाद से पटना और बांद्रा से अजमेर के लिए विशेष होलीडे ट्रेन

सूरत। पश्चिम रेलवे ने त्योहारों के सीजन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए एक और पहल की है। जिसके अंतर्गत त्योहार के अवसर पर हो रही भीड़ को देखते हुए होलीडे स्पेशन ट्रेन चलाने की घोषणा रेलवे ने की है।

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद पटना साप्ताहिक एक्सप्रेस 5 मार्च सोमवार को रात 11.55 बजे अहमदाबाद से छूटकर बुधवार सुबह 8.45 बजे पटना पहुंचेगी। पटना से यह ट्रेन 7 मार्च को सुबह 11.35 बजे छूटकर दूसरे दिन शाम को 7.10 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसके उपरांत बांद्रा से अजमेर और बांद्रा से पटना वाया सूरत, वडोदरा, गोधरा, रतलाम होकर चलाई जाएगी।

रांदेर का युवक फांसी पर झूल मौत को लगाया गले

सूरत। रांदेर के पालनपुर जकातनाका झगड़िया चौकड़ी के पास किसी अज्ञात कारणों से 19 वर्षीय युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पालनपुर जकातनाका झगड़िया चौकड़ी के पास गिरधरनगर घर न. 54 में रहने वाले अमन अंगद गौड़ ने गत रोज अपने घर में किसी अज्ञात कारणों से प्लास्टिक की डोरी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के संदर्भ में जानकारी होने पर पुलिस स्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की जांच कर रही है।

शादी के दौरान लग्नमंडप में आग से अफरातफरी मची

बनासकांठा (ईएमएस)। जिले के वजापुर गांव में आज शादी की विधि के दौरान अचानक आग भड़ने से उपस्थित लोगों में अफरातफरी मच गई। हांलाकि तत्काल आग पर काबू पा लेने से बड़ी दुर्घटना टल गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की भाभर तहसील के वजापुर गांव में आज शादी की विधि चल रही थी। उसी दौरान बाराती और जनातियों में अफरातफरी मच गई। वजह थी लग्न मंडप में अचानक आग लगना। आग लगते ही वहां मौजूद लोग फौरन हरकत में आ गए और तत्काल आग पर काबू पा लिया। माना जा रहा है कि शादी के दौरान बाहर पटाखे फोड़े जा रहे थे, जिसमें एक पटाखा लग्न मंडप जा गिरा और जिसकी वजह से आग भड़क उठी। अचानक लगी आग के बाद लोगों ने फौरन पानी का छिड़काव शुरू कर दिया और आग पर काबू पा लिया, जिसकी वजह से बड़ी दुर्घटना टल गई। लेकिन कुछ देर के लिए वजापुर जैसे छोटे से गांव में अफरातफरी मच गई।

लिंबायत और चौक बाजार में रक्तरंजित धुलेटी

शहर में अलग-अलग तीन घटनाओं में जानलेवा हमला

सूरत। होली और धुलेटी के दिन शहर में जगह-जगह लोग एक दूसरे पर रंग डालने तथा अलग-अलग ढंग से धुलेटी मनाने के लिए उत्साही व मस्ती में रंगे हुये थे। एक दूसरे पर रंग डाल व रंग उडाकर धुलेटी मना रहे थे। लिंबायत तथा चौक बाजार क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में धुलेटी को लेकर एक विद्यार्थी सहित सात लोगों पर तलवार तथा सरिया से हमला किये जाने के बाद तमाम को गंभीर अवस्था में ईलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत के नीलगिरी नगर में रहनेवाले दिवाकर राजेश पांडे के पिता हॉस्पिटल में दाखिल थे जिससे वह गत रोज दोपहर के समय पिता को देखने के लिए हॉस्पिटल जा रहे थे इस दौरान आसपास नगर समीप आरोपी दीपक राजेश हलवाई, राजेश हलवाई ने दीपक पर रंग फेंक दिया। इस पर दीपक ने कहा कि उसके पिताजी होस्पिटल में दाखिल हैं मुझ पर रंग मत फेंको जिससे आरोपी आवेशित हो गये और दीपक के साथ गाली-गलोच कर उसके साथ मारपीट की। दीपक से सिर पर तलवार से हमला कर फरार हो गये। दीपक को लहुलूहान हालत में ईलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। दूसरी घटना में गोडादरा रघुवीर सोसायटी में रहनेवाला शिवम उर्फ राहुल रामलाल दूबे फिलहाल कॉलेज में अभ्यास करता है इस दौरान धुलेटी के दिन वह उसके भाई सोनु दूबे तथा मित्र श्रीप्रकाश दूबे के साथ घर समीप धुलेटी खेल रहा था इस दौरान आरोपी देशराज , विकास तिवारी, अजय उर्फ वीए डब्ल्यु लकडी के फटके के साथ वहां आ धमके जिन्होंने सोनु दूबे को तू शाकभाजी मार्केट समीप नहीं बैठेगा ऐसा कहकर झगडा किया और बिच बचाव में आये शिवम और श्रीप्रकाश पर हमला कर आरोपी फरार हो गये। तीनों को गंभीर हालत में ईलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। तीसरी घटना में चौक बाजार पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वेडरोड में स्थित त्रिलोक सोसायटी में रहनेवाले दीपक किशोर खुंटीया तथा उनके मित्र सत्यनायक और दीपक नाहक वेडरोड भगवान मेस समीप धुलेटी खेल रहे थे। इस दौरान आरोपी पूर्णचंद्र उर्फ पिन्टु रेड्डी, मेस के मालिक डेकोन तथा अन्य दो अज्ञात लोगों ने मेस समीप धुलेटी खेलने को लेकर डपट लगाते हुये उन पर बोलाचाली के बाद तलवार व पाईप से हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। हमले में घायल तीनों को गंभीर अवस्था में ईलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उक्त तीनों मामलों में संबंधित पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही की जा रही है।

धुलेटी खेलने के बाद तापी नदी में नहाने गये तीन मित्रों की डूबने से मौत

सूरत। सूरत शहर के मांडवी तहसील बौधान गांव समीप से पसार होने वाली तापी नदी में गत रोज नहाने गये तीन मित्रों की डूब जाने के कारण मौत हो गई। होली-धुलेटी खेलने के बाद नहाने गये तीनों महाराष्ट्रीयन युवक की नदी के पानी में डूब जाने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही मांडवी पुलिस का काफिला औल फायर ब्रिगेड की टीम घटना स्थल पर पहुंच गई थी। घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडवी समीप बौधान गांव में धूलेटी का पर्व मनाने के बाद दोपहर के समय तीन युवक तापी नदी में नहाने के लिये गये थे। जो तापी के बहार में बह गये पानी में डूब गये जिन्हें अन्य मित्रों ने बचाने का प्रयास किया और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। फायर ब्रिगेड ने स्थानिय तैराकों के साथ डूब गये युवको के मृतदेह को बाहर निकाला। मांडवी समीप स्थित बौधान गांव निकट तापी नदी में डूबकर मरनेवाले तमाम युवक कीम में रहते थे और स्थानिय कारखानों में मजदूरी काम करते थे। तमाम युवक होली की छुट्टी होने से होली खेलने के बाद बौधान गांव स्थित महादेव मंदिर का दर्शन करने के बाद तापी नदी में नहाने के लिए गये थे। जिसमें तीनों की मौत हो गई। मृतक तीनों में मूलत: महाराष्ट्र के निवासी थे। मांडवी पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेकर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है। मृतको में श्रीराम संतोष (उम्र 24 वर्ष), शशीकांत पाटील (उम्र 27 वर्ष) और दिगम्बर पवार (उम्र 25 वर्ष) का समावेश होता है। फिलहाल मांडवी पुलिस ने तीनों के परिजनों को जानकारी देकर लाश का पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

उधना: आईस्क्रीम की दुकान से पकडा गया शराब का जत्था

सूरत। उधना क्षेत्र में स्थित जीवन ज्योति टॉकिज समीप एक आईस्क्रीम की दुकान में से गत रोज अंग्रेजी शराब का जखीरा पकडे जाने से सभी लोग चौंक उठे। यह शराब का जत्था होली-धुलेटी के त्यौहार में बेचने के लिए मंगवाया गया था।

उधना पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर उधना जीवन ज्योति टॉकिज समीप स्थित दुकान नंबर में स्थित शिवम सुपर स्टोर आईसक्रिम एन्ड कोल्डड्रिंक्स नामक दुकान में छापा मार विदेशी शराब की 59 बोतल सहित कुल 93209 रुपये का माल जब्त किया। आईस्क्रीम और कोल्डड्रिंक्स की दुकान में शराब का जत्था देख वहां उपस्थित कई ग्राहक चौंक उठे। पुलिस ने बताया कि हेमराज मुसद्दीलाल अग्रवाल (निवास जीवन ज्योति सोसायटी, उधना) ने रिक्शा वाले मनोज नामक शख्स के पास से बेचने के लिए शराब का जत्था मंगवाया था। पुलिस ने मनोज को वॉन्टेड घोषित कर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है। यह शराब का जत्था होली-धुलेटी के त्यौहार में बेचने के लिए मंगवाया गया था। उधना पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर उधना जीवन ज्योति टॉकिज समीप स्थित दुकान नंबर में स्थित शिवम सुपर स्टोर आईसक्रिम एन्ड कोल्डड्रिंक्स नामक दुकान में छापा मार विदेशी शराब की 59 बोतल सहित कुल 93209 रुपये का माल जब्त किया। आईस्क्रीम और कोल्डड्रिंक्स की दुकान में शराब का जत्था देख वहां उपस्थित कई ग्राहक चौंक उठे। पुलिस ने बताया कि हेमराज मुसद्दीलाल अग्रवाल (निवास जीवन ज्योति सोसायटी, उधना) ने रिक्शा वाले मनोज नामक शख्स के पास से बेचने के लिए शराब का जत्था मंगवाया था। पुलिस ने मनोज को वॉन्टेड घोषित कर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com